



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 526] नई दिल्ली, बुधवार, 17, 2012/आश्विन 25, 1934

No. 526] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 17, 2012/ASVINA 25, 1934

शहरी विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2012

सा.का.नि. 765(अ).—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा समूह 'क' भर्ती नियम, 1996 केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अपर महानिदेशक) [(निर्माण)-विशेष] समूह 'क' पद भर्ती नियम, 2003 तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अपर महानिदेशक) (निर्माण) समूह 'क' पद भर्ती नियम, 2004 को अधिकांत करते हुए उन बातों के सिवाय जिन्हें अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— (1.) इन नियमों का नाम शहरी विकास मंत्रालय, केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा नियम 2012 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- परिभाषाएः— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,
(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है, जिसको ये नियम प्रवृत्त होते हैं;
(ख) "आयोग" से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है,
(ग) "नियंत्रक प्राधिकारी" से भारत सरकार का शहरी विकास मंत्रालय अभिप्रेत है,
(घ) "विभागीय प्रोन्नति समिति" से ऐसी समिति अभिप्रेत है, जिसका गठन किसी भी श्रेणी में प्रोन्नति या उसकी पुष्टि पर विचार करने के लिए किया गया है;
(ङ) "झ्यूटी पद से" अनुसूची—1 में सम्मिलित कोई पद अभिप्रेत है,
(च) "सरकार" से भारत सरकार अभिप्रेत है,
(छ) "श्रेणी" से सेवा की श्रेणी अभिप्रेत है,

(ज) किसी श्रेणी के संबंध में "नियमित सेवा" से उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार नियमों के अधीन उस पर चयन और नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में की गई सेवा की अवधि या अवधियां अभिप्रेत हैं और इसके अंतर्गत निम्नलिखित अवधि या अवधियां भी हैं:—

(1) जिसे नियम 6 के अधीन नियुक्त किए गए व्यक्तियों के मामलों में उनकी श्रेष्ठता के प्रयोजन के लिए गणना में लिया गया हो।

(2) जिसके दौरान कोई अधिकारी उस श्रेणी में ड्यूटी पद धारण करता है यदि वह छुट्टी पर होने के या अन्यथा किसी कारण से ऐसा पद धारण करने के लिए उपलब्ध रहा होता,

(झ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न कोई अनुसूची अभिप्रेत है,

(ञ) "अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का वही अर्थ है जो संविधान के अनुच्छेद 366 के कमशः खंड(24) और खंड (25) में उनका है और अन्य पिछड़े वर्गों का वही अर्थ है और उन्हें वैसे ही लागू किया जाएगा जैसा कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93—स्थापना (एस.सी.टी.) तारीख 8 सितंबर 1993 के अधिकथित है, और

(ट) "सेवा" से नियम 3 के अधीन गठित केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा समूह 'क' सेवा अभिप्रेत है।

3. सेवा का गठन— अनुसूची —1 से यथा विनिर्दिष्ट सेवा में सम्मिलित सभी ड्यूटी पदों से केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा का गठन किया जाएगा ।

4. ग्रेड, संख्या और उसका पुनर्विलोकन—(1) इन नियमों के प्रारंभ होने की तारीख को सेवा के विभिन्न ग्रेडों में सम्मिलित ड्यूटी पद, उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो अनुसूची —1 में विनिर्दिष्ट किए जाएं ।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी सरकार,

(क) समय—समय पर आदेश द्वारा विभिन्न ग्रेडों में ड्यूटी पदों की संख्या में ऐसी अवधि के लिए जो उसमें विनिर्दिष्ट की जाए अस्थायी परिवर्तन या परिवर्धन कर सकेगी ।

(ख) आयोग के परामर्श से, सेवा में ऐसे पदों को सम्मिलित कर सकेगी जिन्हें अनुसूची 1 में सम्मिलित पदों की प्रारिथति वेतन बैंड या ग्रेड वेतन या वेतनमान में समतुल्य समझा जा सके या उक्त अनुसूची में सम्मिलित किसी ड्यूटी पद को सेवा से अपवंचित कर सकेगी ।

(ग) आयोग के परामर्श से, खंड (ख) के अधीन सेवा में सम्मिलित ड्यूटी पद पर किसी अधिकारी को अस्थायी हैसियत में या अधिकारी हैसियत में नियुक्ति कर सकेगी तथा सदृश श्रेणी में निरंतर नियमित सेवा को ध्यान में रखते हुए उसकी ज्येष्ठता निश्चित कर सकेगी ।

5. सेवा के सदस्य — (1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे:—

(क) नियम 6 के अधीन ड्यूटी पद पर नियुक्त व्यक्ति; और

(ख) नियम 7 के अधीन ड्यूटी पद पर नियुक्त व्यक्ति ।

(2) उपनियम (1) के खंड (क) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, ऐसी नियुक्ति पर अनुसूची 1 के अधीन उसे लागू समुचित श्रेणी में सेवा का सदस्य समझा जाएगा ।

(3) उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, ऐसी नियुक्ति की तारीख से अनुसूची 1 के अधीन उसे लागू समुचित श्रेणी में सेवा का सदस्य होगा ।

6. सेवा का आरंभिक गठन (1) इन नियमों को प्रारंभ की तारीख को केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा, समूह 'क' में नियमित आधार पर समूह 'क' ड्यूटी पद धारण करने वाले सभी विद्यमान अधिकारी अपनी—अपनी श्रेणियों में सेवा के सदस्य होंगे ।

(2) इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व उपनियम (1) में निर्दिष्ट अधिकारियों की नियमित निरंतर सेवा को सेवा में प्रोन्नति, पुस्ति और पेशन के लिए परिवीक्षा, ज्येष्ठता और अर्हक सेवा के प्रयोजन के लिए हिसाब में लिया जाएगा।

(3) वह सीमा जिस तक नियंत्रण प्राधिकारी इस नियम के उपबंधों के अनुसार सेवा की विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत नियमित संख्या में पदों को भरने के लिए समर्थ नहीं है तो उन्हें नियम 7 और नियम 8 के उपबंधों के अनुसार भरा जाएगा।

7. सेवा का भावी अनुरक्षण —नियम 6 के अधीन आरंभिक गठन के पश्चात् अनुसूची —1 में निर्दिष्ट किसी भी श्रेणी में रिक्त ड्यूटी पद को निम्नलिखित रीति में भरा जाएगा अर्थात्

(i) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) श्रेणी की सभी रिक्तियां अनुसूची —iii में विनिर्दिष्ट शैक्षिक अर्हताओं और आयु सीमा के आधार पर आयोग द्वारा संचालित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएंगी।

(ii) कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) और उससे ऊपर की श्रेणियों में सभी रिक्तियां अनुसूची ii में यथा विनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हक सेवा सहित अगली निम्नतर श्रेणी के अधिकारियों में से प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी।

(iii) सेवा की विभिन्न श्रेणियों में प्रोन्नति के लिए अधिकारियों का चयन, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (अकृत्यिक द्वितीय श्रेणी) के ऐसे पद के लिए, जो अचयन रीति द्वारा भरा जाएगा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) की नियुक्ति की दशा के सिवाय, अनुसूची 4 में यथाविनिर्दिष्ट विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा, चयन पद्धति द्वारा किया जाएगा।

(iv) (क) जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में, जिन्होंने अपनी अर्हक या पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा, परन्तु यह तब तक जबकि उनके द्वारा की गई ऐसी अर्हक या पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक या पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और, उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित, जिन्होंने ऐसी अर्हक या पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है, अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए, अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो;

(ख) प्रोन्नति के लिए न्यूनतम अर्हक सेवा की संगणना के प्रयोत्तन के लिए, किसी अधिकारी द्वारा 1 जनवरी, 2006 से या उस तारीख से पूर्व, जिसको छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित पुनरीक्षित वेतन संरचना का विस्तार किया गया है, नियमित आधार पर की गई सेवा को आयोग की सिफारिशों के आधार पर विस्तारित तत्त्वानी ग्रेड वेतन/वेतनमान में की गई सेवा समझा जाएगा। प्रतिनियुक्ति/आमेलन आधार पर नियुक्ति के प्रयोजनों के लिए किसी अधिकारी द्वारा 1 जनवरी, 2006 से और उस तारीख से पूर्व जिसको छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित पुनरीक्षित वेतन संरचना का विस्तार किया गया है, नियमित आधार पर की गई सेवा को आयोग की सिफारिशों पर आधारित विस्तारित तत्त्वानी ग्रेड वेतन या वेतनमान में की गई सेवा समझा जाएगा, सिवाय उस दशा के, जहां एक से अधिक पूर्व पुनरीक्षित वेतनमान का समान ग्रेड वेतन या वेतन मान में विलय हो गया है और जहां यह लाभ केवल उन पदों के लिए विस्तारित होगा जिनके लिए ऐसा ग्रेड वेतन या वेतन मान बिना किसी उन्नयन के सामान्य प्रतिरक्षापन ग्रेड है।

(v) (क) जब कभी राज्य या संयुक्त काउंसिल के किसी भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी को केन्द्र में वेतन बैंड 3 या वेतन बैंड 4 या एच.ए.जी. में विनिर्दिष्ट ग्रेड वेतन वाली विशिष्ट श्रेणी में तैनात किया जाता है तो

सेवा के बैचों के ऐसे अधिकारियों को, जो उससे दो या अधिक वर्षों से ज्येष्ठ है और जिन्हें विशिष्ट श्रेणी में अभी तक प्रोन्नत नहीं किया गया है, केन्द्र में उस विनिर्दिष्ट ग्रेड में भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की तैनाती की तारीख से अकृत्यक आधार पर वही ग्रेड दिया जाएगा;

(ख) प्रवेश ग्रेड में सीधे भर्ती अधिकारियों की बाबत ऊपर खंड (क) में यथा निर्दिष्ट बैच ऐसा वर्ष होगा, जो उस वर्ष का अगला वर्ष है, जिसमें प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया था और पश्चात्वर्ती श्रेणियों में समूह 'क' बैच और पात्र सेवा वही होगी, परंतु अधिकारी को किसी कारण से अतिष्ठित न किया गया हो। यदि किसी अधिकारी को अतिष्ठित कर दिया जाता है तो उस अधिकारी पर उस बैच के साथ विचार किया जाएगा, जिसमें उसकी ज्येष्ठता निश्चित की गई है।

(ग) सहायक इंजीनियर (सिविल) समूह 'ख' के पद से प्रोन्नति द्वारा सेवा में लिए गए अधिकारी भी अकृत्यक उन्नयन के लाभ के पात्र होंगे। उन्हें उस बैच का लाभ दिया जाएगा, जो उस सीधी भर्ती अधिकारियों के बैच के तत्स्थानी है जिसके साथ उसकी ज्येष्ठता को सम्मिलित किया जाता है।

(घ) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट अकृत्यक उन्नयन :—

- केंद्रीय सरकार द्वारा समय — समय पर जारी मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार प्रदान किया जाएगा;
- अनुसूची V में यथाविर्तिष्ट स्कीनिंग समिति की सिफारिशों के आधार पर दिया जाएगा।

8. ऊँटी पदों को प्रतिनियुक्ति द्वारा भरना — नियम 7 में किसी बात के होते हुए भी जहाँ सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह ऐसे कारणों को लेखबद्ध करते हुए आयोग के परामर्श से किसी भी श्रेणी में ऐसी अवधि के लिए जो तीन वर्षों से अधिक न हो जिसका विशेष परिस्थिति में पॉच वर्ष तक विस्तार किया जा सकता है जैसा सरकार ठीक समझे, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा ऊँटी पद को भरा जाएगा। इस नियम के अधीन सेवा की किसी श्रेणी में नियुक्ति के लिए अर्हता, अनुभव तथा अर्हक सेवा का सरकार द्वारा प्रत्येक अवसर पर आयोग के परामर्श से विनिश्चय किया जाएगा।

9. ज्येष्ठता (1) नियम 6 के अधीन किसी ऊँटी पद पर नियुक्त सेवा के सदस्यों की आपेक्षिक ज्येष्ठता इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को यथा विद्यमान रूप में होगी।

परंतु यदि उक्त तारीख को किसी ऐसे सदस्य की ज्येष्ठता का विनिर्दिष्ट रूप से अवधारण नहीं किया गया था तो उसे इन नियमों के प्रारंभ होने से पूर्व सेवा के सदस्यों को यथा लागू ज्येष्ठता निर्धारण को शासित करने वाले नियमों के आधार पर अवधारित किया जाएगा।

(2) नियम 6 के अधीन नियुक्त व्यक्तियों से भिन्न सेवा में भर्ती व्यक्तियों की ज्येष्ठता समय — समय पर इस निमित्त सरकार द्वारा जारी साधारण अनुदेशों के आधार पर अवधारित की जाएगी।

(3) उपर्युक्त उपनियम (1) तथा उपनियम (2) के अधीन न आने वाले मामलों में ज्येष्ठता सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से अवधारित की जाएगी।

10. परिवीक्षा— (i) प्रत्येक अधिकारी सेवा में या तो सीधी भर्ती द्वारा या प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति पर दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होगा।

परंतु नियन्त्रक प्राधिकारी समय — समय पर इस निमित्त सरकार द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार परिवीक्षा अवधि का विस्तार कर सकेगा।

परंतु यह और कि परिवीक्षा की अवधि के विस्तारण हेतु कोई विनिश्चय परिवीक्षा की आरंभिक अवधि की समाप्ति के पश्चात् आठ सप्ताह के भीतर किया जाएगा और उसे उक्त अवधि के भीतर ऐसा करने के कारणों सहित संबंधित अधिकारी को लिखित में संसूचित किया जाएगा।

(2) परिवीक्षा की अवधि या उसकी किसी विस्तारित अवधि के पूरा होने पर अधिकारी का, यदि उसे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझा जाता है, समय — समय पूर्ण जारी सरकार के आदेशों के निबंधनों के अनुसार पुष्टि के लिए विचार किया जाएगा।

(3) यदि यथा स्थिति, परिवीक्षा की अवधि या उसकी किसी विस्तारित अवधि के दौरान सरकार की यह राय है कि कोई अधिकारी स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है तो वह, यथास्थिति, अधिकारी को मुक्त कर सकेगी या उसे उसकी नियुक्ति से पूर्व उसके द्वारा धारित पद पर प्रत्यावर्तित कर सकेगी।

(4) सरकार, परिवीक्षा की अवधि या उसकी किसी विस्तारित अवधि के दौरान किसी अधिकारी से प्रशिक्षण के ऐसे पाठ्यक्रम के करने या ऐसी परीक्षा अथवा परीक्षण, (जिसके अंतर्गत हिंदी परीक्षा भी है) उत्तीर्ण करने की अपेक्षा कर सकेगी जो सरकार परिवीक्षा को संमाधानप्रद रूप से पूरा करने के लिए शर्त के रूप में आवश्यक समझें।

(5) परिवीक्षा से संबंधित अन्य विषयों के संबंध में सेवा के सदस्य सरकार द्वारा समय—समय पर इस निमित्त जारी किए गए आदेशों और अनुदेशों द्वारा शासित होंगे।

11. सेवा में नियुक्ति :— सेवा में सभी नियुक्तियां सेवा की विभिन्न श्रेणियों में सभी झूलूटी पदों के लिए नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

12. तैनाती :— सेवा में नियुक्त अधिकारी भारत या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवा करने का दायी होगा।

13. रक्षा से संबंधित रक्षा सेवाओं के पदों पर सेवा करने का दायित्व :— सेवा में नियुक्त कोई अधिकारी चार वर्ष से अन्यून अवधि के लिए, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, भी है, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंधित पद पर सेवा करने का दायी होगा।

परंतु ऐसे अधिकारी से,—

i) सेवा में नियुक्ति की तारीख से या सेवा में उसके सम्मिलित होने की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के पश्चात् यथा पूर्वोक्त सेवा करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(2) यदि उसने चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है तो उनसे यथापूर्वोक्त सेवा करने के लिए साधारणतया अपेक्षा नहीं की जाएगी।

14. निरर्झता — वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या पत्नी जीवित हो, से विवाह है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परंतु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

15. सेवा की अन्य शर्तें — ऐसे विषयों की बाबत सेवा के सदस्यों की ऐसी सेवा शर्तें जिनके लिए इन नियमों में कोई विशिष्ट उपबंध नहीं किया गया है वे होंगी जो केन्द्रीय सरकार के समतुल्य रैंक के अधिकारियों के लिए समय—समय पर लागू होती हैं।

16. शिथिल करने की शक्ति :— जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं तथा उन्हें लेखबद्ध करके और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यवितयों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

17. व्यावृत्ति :— इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट तथा अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय—समय पर जारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यवितयों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची — ।

(नियम 3 देखें)

केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा की विभिन्न श्रेणियों में ड्यूटी पदों के नाम, संख्या तथा वेतन बैंड और ग्रेड वेतन या वेतन मान ।

क्रम सं.	ड्यूटी पद और श्रेणी का नाम	पदों की संख्या*	वेतन बैंड	ग्रेड वेतन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	विशेष महानिदेशक (सिविल)	04 #	75500 रुपये — वार्षिक वेतन वृद्धि 3% @— 80000 रु	—
2.	अपर महानिदेशक (सिविल)	10 #	67000 रुपये — वार्षिक वेतन वृद्धि 3% @— 79000 रु	—
3	अपर महानिदेशक (सिविल) संवर्गीकृत लो नि वि (दिल्ली) 1	1	67000 रुपये — वार्षिक वेतन वृद्धि 3% @— 79000 रु	—
4.	मुख्य इंजीनियर (सिपिल)	49 # #	वेतन बैंड — 4, 37400 — 67000	रु 10,000/-
5	मुख्य इंजीनियर (सिविल) के अ सं ..सं. वि गु , प्रशिक्षण (सि.) , प.से सं. एवं संवर्गीकृत लो नि वि (दिल्ली) 06 आय कर 2, प. एवं वन 1 अंडमान एवं निकोवार 1	14	वेतन बैंड — 4, 37400 — 67000	रु 10,000/-
6.	अधीक्षण इंजीनियर (सिविल) (के लो नि वि: 126 संवर्गीकृत लो नि वि (दिल्ली) 27) आय कर 12, प. एवं वन 1	166	वेतन बैंड — 4, 37400 — 67000	रु. 8700 /—
7.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (नॉन फंक्शनल सेंकंड ग्रेड) (के लो नि वि: 205 संवर्गीकृत लो नि वि (दिल्ली) : 38 आयकर : 23)	266***	वेतन बैंड — 3 रु 15600—39100	7600
8.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (के लो नि वि: 279 संवर्गीकृत लो नि वि (दिल्ली) : 56	375	वेतन बैंड — 3 15600 — 39100 रु	6600 रुपये

	आयकर : 33) प. एवं वन 5 आई बी 1 भूमि तथा विकास कार्यालय 1			
9.	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (के लो नि वि : 25)	100	वेतन बैंड -3 15600 — 39100 रु	5400 रुपये

* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

** अकृत्यक द्वितीय श्रेणी से पदों की संख्या काडर (अर्थात् 6600 रुपये के ग्रेड वेतन सहित वेतन बैंडों में तथा उससे ऊपर के पद)में ज्येष्ठ ड्यूटी पद के 30 % प्रतिशत तक सीमित होगी तथा कार्यपालक अभियंता (सिविल) के ग्रेड में स्वीकृत पदों की संख्या से अधिक नहीं होगी।

टिप्पण :—

(i) स्तंभ (3) में उपदर्शित पदों को भी लोनिवि (दिल्ली) आयकर आदि जैसे कुछ विभागों के स्वीकृत पदों में सम्मिलित किया गया है तथा उन्हे केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा में संवर्गीकृत किया गया है।

(ii) क.सं. 1 व 2 (# चिन्हित) पर दिए गए पद केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा काडर के पद हैं। तथापि, तैनाती के प्रयोजन हेतु, ये पद, केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के विशेष महानिदेशक (वैद्युत और यांत्रिकी) का एक पद तथा अपर महानिदेशक (वैद्युत और यांत्रिकी) के तीन पद तथा केन्द्रीय वास्तुक सेवा के विशेष महानिदेशक (वास्तुक) के एक पद तथा अपर महानिदेशक (वास्तुक) के एक पद, सहित सामान्य पूल के होंगे, जिसमें इन पदों पर केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा, केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा, और केन्द्रीय वास्तुक सेवा के किसी भी अधिकारी को, जो विशेष महानिदेशक अथवा अपर महानिदेशक का पद धारण किए हुए हो, की तैनाती इन पदों पर की जा सकती है।

(iii) क.सं. 4 (## चिन्हित) पर दिए गए पद केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) समूह 'क' सेवा काडर के पद हैं। तथापि, तैनाती के प्रयोजन हेतु, केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के मुख्य अभियंता (वैद्युत और यांत्रिकी) के बारह पदों सहित ये पद सामान्य पूल के होंगे, जिसमें केन्द्रीय इंजीनियरी (सिविल) तथा केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के किसी भी अधिकारी को जो मुख्य अभियंता का पद का धारण किए हों, की तैनाती इन पदों पर की जा सकती है।

(iv) उपर्युक्त सारणी के स्तम्भ (2) में, 'वाक्यांश ' के.लो.नि.वि' का तात्पर्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग तथा लो नि वि (दिल्ली) का तात्पर्य लोक निर्माण विभाग (दिल्ली), आई.टैक्स का तात्पर्य आय कर विभाग, 'ए एंड एन' का तात्पर्य अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 'आई बी' का तात्पर्य आसूचना व्यूरो, 'सी डी ओ' का तात्पर्य केन्द्रीय अभिकल्पन संगठन, 'सी एस ओ' का तात्पर्य परामर्श सेवा संगठन, सी एस क्यू (सि) का तात्पर्य संविदा, विनिर्देश और गुणता एकाक (सिविल), और ई. एंड एफ का तात्पर्य पर्यावरण और वन मंत्रालय है।

अनुसूची — 2

(नियम — 7 (ii) देखें)

केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा समूह 'क' की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित ड्यूटी पदों पर प्रोन्नति के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति के लिए ठीक नीचे की श्रेणी में भर्ती की पद्धति, प्रोन्नति क्षेत्र और न्यूनतम अर्हक सेवा ।

क्र.सं.	ड्यूटी पद और श्रेणी का नाम	भर्ती पद्धति	चयन क्षेत्र, प्रोन्नति के लिए न्यूनतम अर्हक सेवा और शैक्षिक अर्हता
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	विशेष महानिदेशक (सिविल)	प्रोन्नति द्वारा	श्रेणी में एक वर्ष की नियमित सेवा सहित उच्चतर प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान रु 67000/-, 3 % की दर से वार्षिक वृद्धि — 79,000 रु. में अपर महानिदेशक (सिविल)
2.	अपर महानिदेशक (सिविल)	प्रोन्नति द्वारा	श्रेणी में तीन वर्ष की नियमित सेवा सहित वेतन बैंड — 4, रु 37400 — 67000/- + 10,000/- रु के ग्रेड वेतन में मुख्य इंजीनियर (सिविल) या ऐसे अधिकारी, जिन्होंने समूह 'क' पदों में 25 वर्ष की नियमित सेवा की हो, जिसमें से वेतन बैंड 4, रु 37400 — 67000 + रु 10,000 के ग्रेड वेतन में न्यूनतम 1 वर्ष की नियमित सेवा हो ।
3.	मुख्य इंजीनियर (सिविल)	प्रोन्नति द्वारा	श्रेणी में 3 वर्ष की नियमित सेवा सहित वेतन बैंड 4, रु 37000—67000 + रु 8700 के ग्रेड वेतन में ऐसा अधीक्षण इंजीनियर (सिविल), जिसने दो सप्ताह का उच्चतर प्रबंधन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो । या ऐसा अधीक्षण इंजीनियर जिसने सेवा में समूह 'क' पदों में सत्रह वर्ष की नियमित सेवा की हो, जिसमें से नियमित सेवा का कम से कम 1 वर्ष वेतन बैंड 4, रु 37400—67000, + रु 8700 के ग्रेड वेतन में होना चाहिए और जिसने दो सप्ताह का उच्चतर प्रबंधन पाठ्यक्रम पूरा किया हो ।
4.	अधीक्षण इंजीनियर (सिविल)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसा कार्यपालक इंजीनियर, जिसने वेतन बैंड—3 रु. 15600—39100+ ग्रेड

			<p>वेतन 6600 रु. में सेवा में समूह 'क' पदों में तेरह वर्ष की नियमित सेवा की हो, जिसमें से कम से कम चार वर्ष की कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के ग्रेड में नियमित सेवा होनी चाहिए। जिसके अन्तर्गत ऐसी नियमित सेवा भी होगी जो अकृत्यक द्वितीय ग्रेड में वेतन बैंड — 3, रु 15600— 39100 + रु 6600 के ग्रेड वेतन में की गई हो, सम्मिलित हो, सहित और जिनके पास सीधी भर्तियों के लिए अनुसूची — 3 में यथाविहित शैक्षिक अर्हता हो और जिन्होंने दो सप्ताह का उच्चतर प्रबंधन और विधिक मामलों संबंधी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो।</p> <p>ऐसा कार्यपालक इंजीनियर, जिसने वेतन बैंड — 3, रु 15600 — 39100 + रु 7600 के ग्रेड वेतन के साथ श्रेणी में नौ वर्ष की नियमित सेवा की हो, जिसके अन्तर्गत अकृत्यक द्वितीय ग्रेड में की गई नियमित सेवा, यदि कोई हो, भी है, जो यदि वेतन बैंड — 3, रु 15600 — 39100 + रु 6600 ग्रेड वेतन में की गई है और जिसके पास सीधी भर्तियों के लिए अनुसूची -3 में निर्धारित शैक्षिक अर्हता हो और जिसने दो सप्ताह का उच्चतर प्रबंधन और विधिक मामलों संबंधी पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा कर लिया हो।</p>
5.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (अकृत्यक द्वितीय ग्रेड)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसा कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), जिसने वेतन बैंड — 3, रु 15600 — 39100 + रु 6600 (ग्रेड वेतन) के वेतनमान में पाँच वर्ष की नियमित सेवा हो।
6.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	(i) प्रोन्नति द्वारा	(i) 33 — 1/3 प्रतिशतश्रेणी में चार वर्ष की नियमित सेवा सहित वेतन बैंड — 3, रु 15600 — 39100 + रु 5400 ग्रेड वेतन में ऐसे सहायक कार्यपालक

		<p>(ii) प्रोन्नति द्वारा इंजीनियर (सिविल) से, जिन्होंने संविदा कानून, ई गवर्नेन्स भवन उप विधियों तथा भवन सेवाओं पर दो सप्ताह का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो,</p> <p>(ii) 66-2/3 प्रतिशत श्रेणी में सात वर्ष की नियमित सेवा सहित वेतन बैंड -2, रु 9300 — 34800 + रु 4600 ग्रेड वेतन में सहायक इंजीनियर (सिविल) से, जिनके पास मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से रिविल इंजीनियरिंग में डिग्री या अन्य समकक्ष अर्हता हो तथा उन्होंने संविदा कानून, ई गवर्नेन्स भवन उप नियमों और भवन सेवाओं पर दो सप्ताह का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो,</p> <p>टिप्पण : (i) इन नियमों की अधिसूचना की तारीख पर सहायक इंजीनियर (सिविल) श्रेणी के अधिकारी तथा इंजीनियरिंग में डिप्लोमाधारी, नौ वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर लेने पर नीचे (ii) पर दिए परन्तुक के अधीन वार्षिक आधार पर श्रेणी में आने वाली रिक्तियों की 33-1/3 प्रतिशत की सीमा सहित कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के पद पर निरंतर विचारार्थ पात्र होंगे ।</p> <p>परन्तु कनिष्ठ डिप्लोमाधारी सहायक इंजीनियर (सिविल) की पदोन्नति पर विचार किए जाने की दशा में, सात वर्ष की नियमित सेवा वाले ऐसे सहायक इंजीनियर (सिविल) जिनके पास भर्ती के समय कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) के रूप में इंजीनियरिंग में डिप्लोमा था किन्तु तत्पश्चात उन्होंने इंजीनियरिंग की डिग्री अर्जित कर ली थी तथा सात वर्ष की नियमित सेवा वाले ऐसे सहायक इंजीनियर (सिविल) जिनके पास कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) के रूप में भर्ती के समय इंजीनियरिंग की डिग्री थी, भी कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)</p>
--	--	---

के पद के लिए विचारण के पात्र होंगे ।			
7.	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	आयोग द्वारा संचालित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता ।

अनुसूची – 3

[नियम-7 (i) देखें]

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा समूह 'क' पदों पर सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता और आयु सीमा :

(क) ऐसा अभ्यर्थी जिसके पास :—

(i) (क) केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा भारत में निर्गमित कोई विश्वविद्यालय से, या

(ख) संसद के अधिनियम, द्वारा स्थापित किसी शैक्षिक संस्था से या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में समझी जाने वाली कोई घोषित किसी शैक्षिक संस्था से सिविल इंजीनियरी में डिग्री हो, या

(ii) ऐसी अन्य समतुल्य अर्हता जिसे उक्त परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यता दी गई है या दी जा सकेगी, या

(iii) ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या संसद से और ऐसी शर्तों के अधीन जो ऐसे अभ्यर्थी को जिसके पास सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए समय – समय पर मान्यता प्राप्त सिविल इंजीनियरी में डिग्री हो ।

टिप्पण :

(1) अपवादिक मामलों में, आयोग ऐसे अभ्यर्थी को जिसके पास उपर्युक्त में से कोई अर्हता नहीं है, को शैक्षिक रूप से अर्हित मान सकेगा, परन्तु आयोग का यह समाधान हो जाना चाहिए कि उसने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है जिनका स्तर आयोग की राय में परीक्षा में उसके प्रवेश को न्यायोचित ठहराता है ।

(2) ऐसा अभ्यर्थी जो किसी ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से, जो कि सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है, डिग्री प्राप्त करने के कारण अन्यथा अर्हित है, भी आयोग में आवेदन कर सकेगा और आयोग के विवेकानुसार उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा ।

(ख) जिस वर्ष परीक्षा संचालित की जा रही है उस वर्ष 1 जनवरी को अभ्यर्थी ने 21 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो किन्तु 30 वर्ष की आयु पूरी न की हो ।

अनुसूची - 4

[नियम - 7 (iii) देखें]

केंद्रीय इंजीनियरी (सिविल) सेवा समूह 'क' सेवा में प्रोन्नति और पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना :—

क्र. सं.	उद्यूटी पदों का नाम और श्रेणी	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति पर विचार करने के लिए)	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि पर विचार करने के लिए)
1.	विशेष महानिदेशक (सिविल)	1.अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग — अध्यक्ष 2.सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य 3.महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग — सदस्य	लागू नहीं होता
2.	अपर महानिदेशक (सिविल)	1.अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग — अध्यक्ष 2.सचिव या विशेष सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य 3.महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग — सदस्य	लागू नहीं होता
3.	मुख्य इंजीनियर (सिविल)	1.अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग — अध्यक्ष 2.विशेष सचिव या अपर सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य 3.महानिदेशक या विशेष महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग — सदस्य	लागू नहीं होता
4.	अधीक्षण इंजीनियर (सिविल)	1. अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग — अध्यक्ष 2. विशेष महानिदेशक या अपर महानिदेशक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग — सदस्य 3. अपर सचिव या संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य	लागू नहीं होता
5.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	1. विशेष महानिदेशक या अपर महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण	लागू नहीं होता

	(अकृत्यक श्रेणी)	द्वितीय	विभाग— अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय— सदस्य	
6.	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)		(i) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) समूह 'क' में से 1. विशेष महानिदेशक या अपर महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग— अध्यक्ष 2. संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य (ii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) समूह 'ख' में से 1. अध्यक्ष या सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग — अध्यक्ष 2. विशेष महानिदेशक या अपर महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग— सदस्य 3. संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य	लागू नहीं होता
7.	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)		लागू नहीं होता	1. अपर महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग— अध्यक्ष 2. निदेशक या उप सचिव, शहरी विकास मंत्रालय — सदस्य 3. मुख्य इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग — सदस्य

टिप्पण :—

संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य से भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति, विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियों को अधिमान्य नहीं करेगी, यदि समिति के अधिक से अधिक सदस्य उसकी बैठक में हाजिर हुए थे।

3965 GI/12-4

अनुसूची – 5

[नियम – 7 (v) देखें]

अकृत्यक उन्नयन संबंधी मामलों पर विचार करने के लिए स्कीनिंग समिति निम्नलिखित से मिलकर बनेगी :—

क्र.सं.	वेतनमान	स्कीनिंग समिति संरचना
1.	उच्चतर प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान (रु. 67000 – 79000) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान (रु. 37400 – 67000 + ग्रेड वेतन रु 10000)	1. सचिव, शहरी विकास मंत्रालय – अध्यक्ष 2. महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग – सदस्य 3. विशेष महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग – सदस्य
2.	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड वेतनमान (रु. 37400 – 67000 + ग्रेड वेतन रु 8700) एस टी एस (एन एफ एस जी) वेतनमान (रु 15600—39100 + ग्रेड वेतन रु 7600) एस टी एस वेतनमान (रु 15600 – 39100 + ग्रेड वेतन रु 6600)	1. सचिव, शहरी विकास मंत्रालय – अध्यक्ष 2. महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग – सदस्य 3. अपर महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग – सदस्य

[फा. सं. 28/4/2009-एस एंड डी/ई डब्ल्यू-I]

अनिल कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT
NOTIFICATION

New Delhi, the 17th October, 2012

GS.R. 765(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Engineering Services Group 'A' Recruitment Rules, 1996, the Central Public Works Departmental (Additional Director General) [(Works)-Special], Group 'A' Posts Recruitment Rules, 2003 and the Central Public Works Department (Additional Director General) (Works) Group 'A' Posts Recruitment Rules, 2004, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Ministry of Urban Development, Central Engineering (Civil) Group 'A' Service Rules, 2012.
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions:**— In these rules, unless the context otherwise require.—
 - (a) "appointed day" means the date on which these rules comes into force;
 - (b) "commission" means the Union Public Service Commission;
 - (c) "controlling authority" means the Government of India in the Ministry of Urban Development;
 - (d) "departmental promotion committee" means a Committee constituted to consider promotion or confirmation in any grade;
 - (e) "duty post" means a post included in Schedule-I
 - (f) "Government" means the Government of India;
 - (g) "grade" means a grade of the service;
 - (h) "regular service" in relation to any grade means the period or periods of service in that grade rendered after selection and appointed thereto under the rules according to the prescribed procedure for regular appointment to that grade and includes any period or periods:—
 - (1) taken into account for the purpose of seniority in case of those appointed under rule 6;
 - (2) during which an officer would have held a duty post in that grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such post;
 - (i) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;
 - (j) "Scheduled Castes and Scheduled Tribes" have the same meaning as assigned to them in clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the constitution of India, and "Other Backward Classes" have the same meaning and applicability as laid down in Department of Personnel and Training O.M. No. 36012/22/93-Estt (SCT), dated the 8th September, 1993; and
 - (k) "Service" means the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service constituted under rule 3.
3. **Constitution of the Service.**— All the duty posts included in the Service as specified in Schedule-I shall constitute the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service.

4. Grade, strength and its review.— (1) The duty posts included in the various grades of the service, their numbers and scales of pay, on the date of commencement of these rules, shall be as specified as Schedule-I.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Government may,—

- (a) from time to time, by order make temporary-additions or alterations to the strength of the duty posts in various grades, for such period as may be specified therein.
- (b) in consultation with the Commission, include in the Service such posts as can be deemed to be equivalent in status, pay band and grade pay or pay scale to the posts included in schedule-I or exclude from the service a duty post included in the said schedule;
- (c) in consultation with the Commission, appoint an officer to a duty post included in the Service under clause (b) to the appropriate grade in a temporary capacity or in a substantive capacity, and fix his seniority in the grade after taking into account continuous regular service in the analogous grade.

5. Members of the Service.—(1) The following shall be the members of the Service:-

- (a) persons appointed to duty posts under rule 6; and
- (b) persons appointed to duty posts under rule 7.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule(1) shall, on such appointment, be deemed to be a member of the Service in the appropriate grade applicable to him under Schedule-1.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule(1) shall be a member of the Service in the appropriate grade applicable to him under Schedule-I from the date of such appointment.

6. Initial constitution of the service.— (1) All existing officers holding Group 'A' duty posts on regular basis in the Central Engineering Service, Group 'A' on the date of commencement of these rules shall be the members of the Service in the respective grades.

(2) The regular continuous service of officers referred to in sub-rule (1) before the commencement of these rules shall count for the purpose of probation, seniority, qualifying service for promotion, confirmation and pension in the service.

(3) To the extent the controlling authority is not able to fill up the posts in authorised regular strength of various grades in the service in accordance with the provisions of this rule, the same shall be filled in accordance with the provisions of rules 7 and 8.

7. Future maintenance of the service.— The vacant duty posts in any of the grades referred to in Schedule-I, after the initial constitution under rule 6, shall be filled in the following manner, namely:—

- (i) all the vacancies in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) shall be filled by direct recruitment on the basis of the results of the Combined Engineering Service Examination conducted by the Commission on the basis of educational qualifications and age limits specified in Schedule-III;
- (ii) all the vacancies in the grades of Executive Engineer (Civil) and above shall be filled by promotion from amongst the officers in the lower grade with minimum qualifying service as specified in Schedule-II;

(iii) the selection of officers for promotion to various grades of the service shall be made by the departmental promotion committee as specified in Schedule-IV, by selection except in the case of appointment of Executive Engineer (Civil) to the post of the Executive Engineer (Civil) (Non-functional Second Grade), which shall be by the method of non-selection;

(iv) (a) where juniors who have completed their qualifying or eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying or eligibility service by more than half of such qualifying or eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their period of probation for promotion to the next higher grade along with their juniors who have already completed such qualifying or eligibility service;

(b) for the purpose of computing minimum qualifying service for promotion, the service rendered on a regular basis by an officer prior to 1st January, 2006 or the date from which the revised pay structure based on the 6th Central Pay Commission recommendations has been extended, shall be deemed to be service rendered in the corresponding grade pay/pay scale extended based on the recommendations of the Commission. For purposes of appointment on deputation/ absorption basis, the service rendered on a regular basis by an officer prior to 1st January, 2006 and the date from which the revised pay structure based on the 6th Central Pay Commission recommendations has been extended, shall be deemed to be service rendered in the corresponding grade pay or pay scale extended based on the recommendations of the Commission except where there has been merger of more than one pre-revised scale of pay into one grade with a common grade pay or pay scale, and where this benefit will extend only for the posts for which that grade pay or pay scale is the normal replacement grade without any upgradation;

(v) (a) whenever any Indian Administrative Service officer of the State or Joint Cadre is posted at the Centre to a particular grade carrying a specific grade pay in pay band 3 or pay band 4 or HAG, the officers belonging to batches of the Service that are senior by two years or more and have not so far been promoted to that particular grade, would be granted the same grade on non-functional basis from the date of posting of the Indian Administrative Service officers in that particular grade at the Centre;

(b) the batch, as referred to in clause (a) above, in respect of the direct recruit officers in the induction grade shall be the year following the year in which the competitive examination was held and in subsequent grades the 'Batch' and eligible service in Group 'A' would remain the same provided the officer is not superseded due to any reason. In case an officer is superseded the officer would be considered along with the 'Batch' with which his seniority is fixed;

(c) officers inducted into the service by promotion from the post of Assistant Engineer (Civil), Group 'B', will also be eligible for the benefit of Non functional upgradation. They shall be assigned the benefit of 'Batch' corresponding to the batch of the 'direct recruit' officers with whom their seniority is clubbed;

(d) grant of Non-functional upgradation referred to in clause (a) above shall be:

(i) in accordance with the guidelines issued by the Central Government from time to time;

(ii) made on the recommendations of the screening committee as specified in Schedule-V.

3965 GI/12-5

8. Filling of duty posts by deputation.— Notwithstanding anything contained in rule 7, where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for the reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission, fill-up duty post in any grade by deputation for a period not exceeding three years, which may in special circumstances be extended upto five years, as the Government may think fit. The qualification, experience and the qualifying service for appointment to any grade of the Service under this rule shall be decided by the Government in consultation with the Commission on each occasion.

9. Seniority.— (1) the relative seniority of members of the service appointed to a duty post under rule 6, shall be as obtaining on the date of commencement of these rules:

Provided that if the seniority of any such member had not been specifically determined on the said date, the same shall be determined on the basis of the rules governing fixation of seniority as applicable to the members of the Service prior to the commencement of these rules.

(2) The seniority of persons recruited to the Service, other than those appointed under rule 6, shall be determined in accordance with the general instructions issued by the Government in this behalf from time to time.

(3) In the cases not covered under sub-rule (1) and sub-rule(2) above, the seniority shall be determined by the Government in consultation with the Commission.

10. Probation.— (1) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion shall be on probation for a period of two years:

Provided that the controlling authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by the Government in this behalf from time to time:

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of initial period of probation and communicated in writing to the concerned officer together with reasons for so doing within the said period.

(2) On completion of the period of probation or any extension thereof, officer shall, if considered fit for permanent appointment, be considered for confirmation in terms of the orders of the Government issued from time to time.

(3) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, it may discharge the officer or revert him to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

(4) During the period of probation or any extension thereof, an officer may be required by Government to undergo such courses of training or to pass such examinations or tests (including examination in Hindi) as the Government may deem fit, as condition for satisfactory completion of probation.

(5) As regards other matters relating to probation, the members of the Service shall be governed by the orders or instructions issued by the Government in this behalf from time to time.

11. Appointment to the service.— All appointments to the Service shall be made by the controlling authority for all the duty posts in various grades of the Service.

12. Posting.— Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or abroad.

13. Liability to serve defence services of posts connected with defence.— Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any defence service or post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any:

Provided that such officers,—

- (1) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment to the service or from the date of his joining the Service.
- (2) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of forty years.

14. Disqualification.— No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any persons from the operation for this rule.

15. Other conditions of the service.— The conditions of service of members of the service in respect of matters for which no specific provision has been made in these rules, shall be the same as are applicable, from time to time, to officers of equivalent rank of the Central Government.

16. Power to relax.— Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

17. Saving.— Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation in age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time in this regard.

Schedule—I
(see rule 3)

(Name, number and Pay Band and Grade Pay or pay scale of duty posts in various grades of the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service)

Sl. No	Name of duty post and grade	No. of posts*	Pay Band	Grade Pay (in ₹)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Special Director General (Civil)	04#	₹ 75500-annual increment @3% ₹ 80000	-
2	Additional Director General (Civil)	10#	₹ 67000- annual increment @3% ₹ 79000	-

3	Additional Director General (Civil) Encadred PWD(Delhi)-1	1	₹ 67000- annual increment @3%- ₹ 79000	-
4	Chief Engineer (Civil)	49##	Pay Band-4, ₹ 37400-67000	10000/-
5	Chief Engineer (Civil) (CDO, CSQ(C), Training(C), CSO) and Encadred PWD (Delhi): 06 I.Tax:2, E&F:1, A&N:1)	14	Pay Band-4, ₹ 37400-67000	10000/-
6	Superintending Engineer (Civil) (CPWD : 126, Encadred PWD (Delhi) : 27, I.Tax:12, E&F:1)	166	Pay Band-4, ₹ 37400-67000	8700/-
7	Executive Engineer (Civil) (Non Functional Second Grade) (CPWD : 205, Encadred PWD (Delhi) : 38, I.Tax:23)	266	Pay Band-3, ₹ 15600-39100	7600/-
8	Executive Engineer (Civil) (CPWD : 279, Encadred PWD (Delhi): 56, I.Tax: 33, E&F : 5, IB:1, L&DO:1)	375	Pay Band-3, ₹ 15600-39100	6600/-
9	Assistant Executive Engineer (Civil) (CPWD : 100)	100	Pay Band-3, ₹ 15600-39100	5400/-

* Subject to variation dependent on workload

** Number of posts in the Non – functional Second Grade shall be limited to 30% of the senior duty post in the cadre (i.e. posts in Pay Bands with Grade Pay of ₹ 6600 and above) and shall not exceed the number of posts sanctioned in the grade of Executive Engineer (Civil)

Note:-

(i) The number of posts indicated column (3) also include posts sanctioned in some departments such as PWD (Delhi), Income Tax, etc., and are encadred in the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service

(ii) Posts at Sl. No. 1 and 2 (marked '#') are Cadre posts for Central Engineering (Civil) Group 'A' Service. However for the purpose of posting, these posts, together with one post of Special Director General (Electrical and Mechanical) and three posts of Additional Director General (Electrical and Mechanical) of Central Electrical and Mechanical Engineering Group 'A' Service and one post of Special Director General (Architecture) and one post of Additional Director General (Architecture) of Central Architecture Service shall form a common pool wherein any officer of Central Engineering Service(Civil), Central Electrical and Mechanical Engineering Service and Central Architects Service holding the post of Special Director General or Additional Director General can be posted to any of these posts.

(iii) Posts at Sl. No. 4 (marked "##") are Cadre posts for Central Engineering (Civil) Group 'A' Service. However for the purpose of posting, these posts together with the twelve posts of Chief Engineer (Electrical and Mechanical) of the Central Electrical and Mechanical Engineering Service, shall form a common pool wherein any officer of Central Engineering Service(Civil) and Central Electrical and Mechanical Engineering Service holding the post of Chief Engineer can be posted to any of these posts.

(iv) In Column (2) of the above Table, the phrase 'CPWD' stands for Central Public works Department and 'PWD (Delhi)' stands for Public Works Department (Delhi), 'I. Tax' for Department of Income Tax, 'A&N' for 'Andaman and Nicobar Administration', 'IB' for Intelligence Bureau, 'CDO' for Central Design Organisation, 'CSO' for Consultancy Services Organisation, 'CSQ(C)' for Contracts, Standards and Quality Unit (Civil), 'E&F' for Ministry of Environment and Forests and 'L&DO' for Land and Development Organisation.

SCHEDULE-II

[See rule 7(ii)]

Method of recruitment, field of promotion and minimum qualifying service in the immediate lower grade for appointment of officers on promotion to duty posts included in the various grades of the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service.

S. No.	Name of duty post and grade	Method of recruitment	Field of selection, minimum qualifying service and educational qualification for promotion
(1)	(2)	(3)	(4)
1	Special Director General (Civil)	By promotion	Additional Director General (Civil) in the HAG Scale ₹ 67000-(annual increment @ 3%)- R 79000 with one year regular service in the grade.
2	Additional Director General (Civil)	By promotion	Chief Engineer (Civil) in Pay Band-4 ₹ 37400-67000+ Grade Pay of ₹ 10000/- with three years regular service in the grade OR Officers with 25 years' regular service in Group 'A' posts in the service out of which at least one year regular service should be in the Pay Band-4 ₹ 37400-67000+ Grade Pay of ₹ 10000/-
3	Chief Engineer (Civil)	By promotion	Superintending Engineer (Civil) in Pay Band-4 ₹ 37400-67000+ Grade Pay of ₹ 8700/- with three years' regular service in the grade and have successfully completed two week's course on Higher Management OR Superintending Engineer (Civil) in Pay Band-4 ₹ 37400-67000+ Grade Pay of ₹ 8700/- with seventeen years regular service in Group A posts in the service out of which at least one year of regular service should be in the PB-4 Grade Pay of R 8700/- and have successfully completed two week's course on Higher Management.
4	Superintending Engineer (Civil)	By promotion	Executive Engineer (Civil) in Pay Band-3 ₹ 15600 - 39100 + Grade Pay of ₹ 6600/- with thirteen years of regular service in group A posts in the service out of which at least four years of regular service should be in the grade of Executive Engineer (Civil) including regular service if any rendered in the Non-functional Second Grade in the scale Pay Band-3 ₹ 15600 - 39100 + Grade Pay of ₹ 7600/- and possessing educational qualification as prescribed in Schedule-III for direct recruits and have successfully completed two week's course on Higher Administration and Legal Matters. OR Executive Engineer (Civil) in Pay Band-3 ₹ 15600 - 39100 + Grade Pay of ₹ 6600 with nine years regular service in the grade including regular service if any rendered in the Non-functional Second Grade in the scale Pay Band-3 ₹ 15600 - 39100 + Grade Pay of ₹ 7600/- and possessing educational qualification as

			prescribed in Schedule-III for direct recruits and have successfully completed two week's course on Higher Administration and Legal Matters.
5	Executive Engineer (Civil) (Non-Functional Second Grade)	By promotion	Executive Engineer (Civil) in Pay Band-3 ₹ 15600 – 39100 + Grade Pay of ₹ 6600/- with five years regular service in the grade.
6	Executive Engineer (Civil)	(i) By promotion (ii) By promotion	<p>(i) $33\frac{1}{3}\%$ from Assistant Executive Engineer (Civil) in Pay Band-3 ₹ 15600-39100 + Grade Pay of ₹ 5400/- with four years regular service in the grade and have successfully completed two week course on Contract Law, e-Governance Building Bye-laws and Building Electrification.</p> <p>(ii) $66\frac{2}{3}\%$ from Assistant Engineer (Civil) in Pay Band-2 ₹ 9300-34800+ Grade Pay of ₹ 4600/- with seven years regular service in the grade and possessing Degree in Civil Engineering from a recognised University or Institution or any other equivalent qualification and have successfully completed two week course on Contract Law, e-Governance Building Bye-laws and Building Electrification.</p> <p>Note: The officers in the grade of Assistant Engineer (Civil) on the date of the notification of these rules and possessing Diploma in Engineering shall however, continue to be eligible on completion of nine years regular service for consideration to the post of Executive Engineer (Civil) limited to $33\frac{1}{3}\%$ vacancies arising in the grade on annual basis;</p> <p>Provided that the Assistant Engineers (Civil) with seven years regular service, who at the time of recruitment as Junior Engineer (Civil) were possessing Diploma in Engineering but subsequently acquired Degree in Engineering and those Assistant Engineers (Civil) with seven years regular service, who were possessing degree in Engineering at the time of recruitment as Junior Engineer (Civil) shall also be eligible for consideration to the post of the Executive Engineer (Civil), in case a junior Diploma holder Assistant Engineer (Civil) is considered for promotion.</p>
7	Assistant Executive Engineer (Civil)	By direct recruitment through Engineering Services Examination conducted by the Commission	Not applicable.

SCHEDULE-III**[See rule 7(i)]**

Minimum education qualification and age limit for direct recruitment to posts in Central Engineering Service (Civil) Group 'A' on the basis of competitive examination to be conducted by the Union Public Service Commission:

(A) A candidate shall possess:-

- (i) a degree in Civil Engineering from:
 - (a) a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India; or
 - (b) an educational Institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as University under section 3 of the University Grant Commission Act, 1956; or
- (ii) such other equivalent qualification as have been or may be recognised by the Government for the purpose of admission to the said examination; or
- (iii) a degree in Civil Engineering from such foreign University or College or Institution and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time.

NOTE:

- (1) In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, not possessing any of the above qualifications, as educationally qualified provided that the Commission is satisfied that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justified his admission to the examination.
- (2) A candidate who is otherwise qualified by virtue of his having taken a Degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

(B) A candidate shall have attained the age of 21 years but not have attained the age of 30 years on the 1st day of January of the year in which the examination is held.

3965 GE/12-7

SCHEDULE -IV
[See Rule 7 (iii)]

Composition of Group 'A' departmental promotion committee for considering cases of promotion and confirmation in the Central Engineering (Civil) Group 'A' Service.

S.No.	Name of the duty post and Grade	Group A Departmental Promotional Committee (for considering promotion)	Group A Departmental Promotional Committee (for considering confirmation)
1	Special Director General (Civil)	1. Chairman or Member, Union Public Service Commission- Chairman. 2. Secretary, Ministry of Urban Development - Member. 3. Director General, Central Public Works Department – Member	Not applicable
2	Additional Director General (Civil)	1. Chairman or Member Union Public Service Commission- Chairman. 2. Secretary or Special Secretary Ministry of Urban Development- Member. 3. Director General, Central Public Works Department - Member	Not applicable
3	Chief Engineer (Civil)	1. Chairman or Member, Union Public Service Commission- Chairman 2. Special Secretary or Additional Secretary, Ministry of Urban Development – Member 3. Director General or Special DG, Central Public Works Department – Member	Not applicable
4	Superintending Engineer (Civil)	1. Chairman or Member, Union Public Service Commission- Chairman 2. Special Director General or Additional Director General Central Public Works Department – Member 3. Additional Secretary or Joint Secretary, Ministry of Urban Development- Member	Not applicable
5	Executive Engineer (Civil) (Non-functional Second Grade)	1. Special Director General or Additional Director General Central Public Works Department – Chairman 2. Joint Secretary, Ministry of Urban Development- Member	Not applicable
6	Executive Engineer (Civil)	(i) From Assistant Executive Engineer (Civil) Group 'A' 1. Special Director General or Additional Director General Central Public Works Department – Chairman 2. Joint Secretary, Ministry of Urban Development- Member (ii) From Assistant Engineer (Civil)	Not applicable

		Group 'B' 1. Chairman or Member Union Public Service Commission- Chairman. 2. Special Director General or Additional Director General Central Public Works Department – Member 3. Joint Secretary, Ministry of Urban Development- Member	
7	Assistant Executive Engineer (Civil)	Not applicable	1. Additional Director General, Central Public Works Department - Chairman 2. Director or Deputy Secretary, Ministry of Urban Development - Member 3. Chief Engineer, Central Public Works Department- Member

Note.—The absence of a Member, other than the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall not invalidate the proceedings of the Departmental Promotion Committee, if more than half the members of the Committee had attended its meetings.

SCHEDULE –V [See Rule 7 (v)]

Composition of the screening committee for considering the cases of non-functional upgradation.

S.No.	Scale	Screening Committee composition
1	HAG Scale (₹ 67000-79000) SAG Scale (₹ 37400-67000 + Grade Pay 10000)	1. Secretary, Ministry of Urban Development - Chairman. 2. Director General, Central Public Works Department – Member 3. Special Director General, Central Public Works Department- Member

2	JAG Scale (₹ 37400-67000 + Grade Pay 8700) STS(NFSG) Scale (₹ 15600-39100 + Grade Pay 7600) STS Scale (₹ 15600-39100 + Grade Pay 6600)	1. Secretary, Ministry of Urban Development - Chairman. 2. Director General, Central Public Works Department – Member 3. Addl. Director General, Central Public Works Department- Member
---	--	--

[F. No. 28/4/2009-S & D/EW-I]

ANIL KUMAR, Under Secy.